सूचना है कि चीन भी पाकिस्तान को समृद्ध यूरेनियम की आपूर्ति कर रहा है। इससे यह स्पष्ट है कि नाभिकीय अस्त्रों के निर्माण में पाकिस्तान काफी आगे बढ़ चुका है और इस तरह के अस्त्रों का निर्माण भारत की सुरक्षा के लिये खतरनाक है। पाकिस्तान अमेरिका से खौफनाक से खौफनाक अस्त्रों की मांग रहा है। यह मैं सरकार से मांग करता हूं कि सरकार अमेरिका को कड़ा विरोध पत्र भेजे और वह पाकिस्तान द्वारा जो इस तरह के नाभिकीय अस्त्रों के निर्माण के लिये पार्ट्स मंगाए जा रहे हैं उस पर रोक लगाए और सरकार अपनी सुरक्षा के लिये मजबूत व्यवस्था करे।

SHRI SUSHIL CHAND MOHUNTA (Haryana): Sir, il had also given my motion on the same subject. It is very surprising that though I was permitted yesterday and today, well, both of us have been allowed on the same subject. Normally...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now you can say what you want to say.

SHRI SUSHIL CHAND MOHUNTA; Sir, I want to draw the attention of the Government *to* the fact that Pakistan has for long been trying to equate itself or become superior to our own eountry in gathering the technical know-how for manufacturing atomic weapons. And it has been long in the news that secretly, illegally, by theft or by so many other means, it is acquiring not only the technical know-how but also parts needed for making atomic 'weapons, specially the atom bomb, which they also call as the Islamic Bomb. For that bomb to be manufactured, their agents have been trying all their tricks in those foreign countries. I cannot understand how it is nossible for them to ship all such sensitive materials to Pakistan without the knowledge of those foreign countries. Therefore, I would say that our Foreign Missions in these countries—in America, Canada, Germany and France—have failed because they have not been able to impress upon those Governments that this sensitive material cannot be exported to a country which is vying with India to make an atomic bomb.

Therefore, I would request and suggest that the Government should arm its Missions with better particulars. And they should post better people in responsible posts in these Missions so that they can pursue this mater. And if those countries are doing it deliberately, then India should devise another policy by which such instances can be matched and we may be able to stop them. The question is the defence of the country and we can take care of it in two ways. Number one is that Pakistan does not get the arms and ammunitions surpassing that of India. Secondly, if it is getting, then we should prepare ourselves in that direction so that we are not caught unawares on one fine day. We understand that Pakistan ij now getting superior weapons. We have got less. Though efforts have been made for the last so many years to normalise the relationship, we have seen that the relationship between the two countries has not normalised and sinister designs have always been carried on by certain elements to put a block in the way of normalisation. India, on its part, made it clear that it has no interest in Pakistan becoming unstable. Though Pakistan has made its intention known, and in spite of what it says, well, we nnd from the disturbances going on in our Border State with Pakistan, its intention cannot be taken for granted, and we must prepare ourselves.

REFERENCE To THE REPORTED HOLDING OF PUBLIC HEARING BY THE FOREIGN RELATIONS COMMITTEE OF THE US SENATE ABOUT THE SITUATION IN PUNJAB

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : उप-सभापति जी, अमेरिकी संसद् की फारेन

[श्री चतुरानन मिश्र]

रिलेशन्स कमेटी ने यह निर्णय लिया है कि पंजाब के मामले पर वहां पब्लिक हियरिंग करे। इस का स्पष्ट अर्थ है कि हमारे आन्तरिक मामले में वहां की संसद हस्तक्षेप कर रही है और वह भारत के खिलाफ प्रचार का अड्डा बनाई जायगी। ह्यूमन राइट्स कमीशन ने भी निर्णय लिया है कि वहां पर इस मामले में पब्लिक हियरिंग करेगा। यह हमारे देश के भीतरी मामले में सीधा हस्तक्षेप है और वह भी भारत-विरोधी प्रचार का एक साधन बनाया जा रहा है। मैं यह चाहता हूं कि हमारी सरकार तो इस का विरोध करे ही, वह इस को अनफ्रेंडली एक्ट भी घोषित करे। साथ-साथ मैं इस सदन के नेता से आग्रह करूंगा क्योंकि यह मामला बहुत स्पष्ट है, इस लिए सदन में एक प्रस्ताव पास कर अनुरोध किया जाय अमेरिकन संसद की फारेन रिलेशन्स कमेटी से कि वह इस तरह का काम न करे। मैं अपेक्षा करता हूं कि लीडर आफ दि हाउस ऐसा मोशन इस हाउस में लायेंगे ताकि प्रतिरोधात्मक कार्यवाही की जा सके। ऐसा करना हमारे देश के हित में है।

REFERENCE TO THE REPORTED: ATTACK ON INDIAN DEPUTY HIGH COMMISSIONER IN CANADA

श्री रामानन्द यादव (बिहार) : मान्यवर, मैं सरकार का ध्यान आये दिन भारतीय दूतावासों पर और जो भारतीय नागरिक विदेशों में रह रहे हैं खास कर नान-सिख इंडियन्स उन के साथ वहां पर जो व्यवहार हो रहा है उस की तरफ दिलाना चाहता हूं। 21 तारीख को टाइम्स आफ इंडिया में और 22 तारीख को हिंदुस्तान टाइम्स में खबर छपी है कि कनाडा में जो हमारे हाई कमिश्नर हैं उन के दफ्तर में कुछ इस बात की शिकायत मिली कि नान सिख इंडियन्स जो हैं उन को वहां डराया धमकाया जा रहा है। इस पर वे ओटावा में अटार्नी जनरल श्री बक से दूसरे दिन भेंट करने गये और मिस्टर फेबियन जब वहां पहुंचे तो कुछ सिख डिमांस्ट्रेशन करने वाले लोगों ने उन पर गुस्से से उन के चेहरे पर बाक्सिंग की और सड़े हुए अंडे उन के मुंह पर फेंके और कनेडियन पुलिस वहां खड़ी थी लेकिन उस ने कोई कार्यवाही नहीं की और उन की रक्षा नहीं की। अंत में एक प्रेस से वे बाहर निकले किसी तरह से और बाहर निकल कर कनैडियन माउन्टेड पुलिस के हेड क्वार्टर में पहुंचे और रात भर उन को वहां रहना पड़ा कनैडियन माउन्टेड पुलिस के हेड क्वार्टर में और दूसरे दिन वह फिर बाहर आये। यही नहीं, वहां के जो भारतीय हैं नान सिख भारतीय उन को अपनी जान का खतरा है और कनाडा की सरकार ने आज तक इस के लिये कोई कार्यवाही नहीं की है। जिन लोगों ने मिस्टर फेबियन जो डिप्टी हाई कमिश्नर हैं कनाडा में, उन को गालियां दीं, उन के मुंह पर बाक्सिंग की और उन के चेहरे पर अंडे थोपे फिर भी उन के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की और न कोई रिपोर्ट लिखी और न इस के लिये कोई जांच बिठाई। तो आज वहां का भारतीय नागरिक असुरक्षा की स्थिति में है खासकर इंग्लैंड, अमरीका और कनाडा में जो रह रहे हैं वे। उन की स्थिति इस तरह की है। आप को मालूम होगा कि कल परसों 25 तारीख को इंग्लैंड में, साउथ हाल में एक प्रेस में दो सिख यूथ जा कर आग लगा दिये चुंकि वह प्रेस पंजाबी प्रेस था और उस में जो एक्सटीमिस्ट थे उन के खिलाफ लिखा जा रहा था। उस एरिया में करीब 25 हजार इंडियन रहते हैं और वे भारतीय